question which is going to come just now.

नेक्स्ट क्वेश्चन जो है वह वही है जो आनरेबुल मेम्बर पूछ रहे हैं इसके विषय में मुझे कहना है ..(व्यवधान) इससे यह होगा कि जो उनका क्वेश्चन नहीं आ सकेगा उसमें जानकारी आ जाएगी। यह बात अच्छी बात है।

सरकार, के पास जैसा मैंने पहले कहा कि हमारे पास प्रोपोजल्स आए हैं लेकिन कोई स्कीम हमारे पास अभी तक नहीं आई है। अगर वे स्कीम बनाकर भेजेंगे तब हम उस पर जरूर ध्यान देंगे, क्योंकि हम भी इसके लिए इतने ही कन्सर्न्ड हैं, रूरल एरियाज के लिए, जितना कि कोई और होगा। इसलिए हमारे पास जब प्रोग्राम बनते हैं तब प्रोजेक्ट या कोई स्कीम आएगी तो वी शैल गो इन्टू दैट।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे: सभापति महोदय, अभी अभी यहां मंत्री महोदया ने जो बताया है, मैं बहुत स्पेसिफिक क्वेश्चन पूछना चाहता हूं। आपने करीब 61 सिटीज और टाउन की यहां लिस्ट दी हुई है। उनमें से चार जगह पीने के पानी की व्यवस्था केन्द्र सरकार ने अभी तक की है। यह स्टेट गवर्नमेंट और केन्द्र सरकार का मिला जुला स्टेटमेंट है, यह मैं जान गया हूं। लेकिन अभी जवाब में आपने एक बात बताई कि स्टेट गवर्नमेंट ने कुछ प्रोपोजल्स आपके पास भेजे है। आपने जो जवाब दिया है। → In this regard, the Government of Gujarat has not submitted any scheme. ता हूं कि प्रोपोजल्स और स्कीम में क्या डिफरेंस है वह बतायें। दूसरी बात, क्या ये पीने के पानी के प्रोपोजल्स स्टेट गवर्नमेंट ने आपके पास भेजे हैं। तीसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि जो लिस्ट यहां दी हुई है उसमें से दो जिले ऐसे है जो बिल्कुल बार्डर पर है जामनगर और कच्छ तथा ये पिछड़े जिले है। वहां क्या केन्द्रीय सरकार अपनी ओर से सुओ मोटो पीने के पानी की जो तकलीफ वहां है उसे जल्दी खत्म करेगी या नहीं करेगी?

श्रीमती शीला कौल: माननीय, आपने जानकारी चाही है कि प्रोपोजल और स्कीम में क्या फर्क होता है। प्रोपोजल ऐसा होता है जिसमें कि आप अपनी राय देते हैं। हम यह प्रोपोज कर रहे है कि आप ऐसा करिए। स्कीम जो होती है वह खास तौर पर एक तरीके से बताई जाती है कि इसके बाद यह होगा, इसके बाद यह होगा, इसके बाद वह होगा। इसके ऊपर इतना पैसा लगेगा। यह तो फर्क हो गया इसका, मेरे अंदाज से और आपने कहा कि जो कुछ एरियाज हैं जहां कि पानी नहीं जा सकता उसके विषय में आप क्या करेंगे तो उसके लिए बहुत सारे मेजर्ज हैं जो कि किए जा रहे हैं। उसमें जो पानी की कमी है उसके लिए एक तो हम टैंकर से पानी भेजते हैं। ...(व्यवधान) देखिए, आप मुझे पूरा करने दीजिए तो फिर में बता दूंगी।

MR CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Awarding Grace Marks to Sports Persons for Admission in Colleges

*362. SHRI SATISH PRADHAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to stated:

(a) whether Government have given any directives to State Governments to award grace marks for outstanding sports persons while admitting them in professional and other colleges;

(b) whether it is a fact that against the implementation of granting grace marks to the sportspersons as per the State Government's directive, litigation has been instituted; and

(c) whether Government will consider reserving quota for sportspersons in colleges, stipulating guidelines in line with reservations for SCs, STs, & other categories?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) Although no directive has been given to the State Governments, the Government have, however, requested them to consider giving special weightage to sportspersons who have excelled.

(b) No such instance has come to the notice
of the Government.

(c) UGC has framed and approved guidelines in this regard which are to be issued
shortly.

Nuclear Chemistry Department of IIT, Kanpur

*365. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Institute of Technology, Kanpur has closed down the Nuclear Chemistry Department and students are unable to carry on their studies of the subject;

(b) whether there is costly equipment gathering dust and becoming useless;